



ଜାମିଆ ନଗରରେ ବିଶ୍ଵାଦକାରୀ ମୁଦ୍ରା



ଅଦିନିଆ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ତୀରୁ ବିରୋଧ

ପ୍ରକାଶ, ୩୦୧

ଚଳିତର୍ଥ ରଥଯାତ୍ରା ପାଇଁ ମୁଗାରେ ମୁଗାର ରଥକାଠ ଅନୁକୂଳ ହୋଇଛି। ଠିକ୍ ଏହିଟିଙ୍କ ଉତ୍ସନ ପଥରୁ ମୁମ୍ଫଲରେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଛି ରଥଯାତ୍ରା। ଏହି ଅଦିନିଆ ରଥଯାତ୍ରାକୁ ନେଇ ବିଜନ ମହିଳରେ ତାତ୍ର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ସମ୍ପ୍ରଦୟ ଉତ୍ସନ୍ତ କରେଥ କରିଛନ୍ତି। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା।

ତୁରନ୍ତ ଓଡ଼ିଶା ସରକାର ଏ ବିଗରେ ପଦକ୍ଷେପ ନିଅନ୍ତ୍ର ବୋଲି ଦାରି କରିଛନ୍ତି। ତୁରନ୍ତର ମୁଗାର ରଥଯାତ୍ରାକୁ ନିଅନ୍ତ୍ର ବୋଲି ପଦକ୍ଷେପ ନିଅନ୍ତ୍ର ବୋଲି ଦାରି କରିଛନ୍ତି। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା।

- ପୂରୀରେ ରଥକାଠ ଅନୁକୂଳ, ମୁମ୍ଫଲରେ ଗଢ଼ିଲା ରଥ
- ବିଧୁ ପରିପ୍ରେରାକୁ ଉତ୍ସନ ଦେଖାଇରୁ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ

ଶିଳ୍ପେନା ଭାବରେ, ମୁଗା ମାନ୍ଦି ମଦିର, ପର୍ଣ୍ଣାର ଚର୍ଚ, ଗୋଖର ରେତ ଆଦି ଅଞ୍ଚଳ ମୁଗା ପରେ ମୁଣ୍ଡ ଶିଳ୍ପ ପାର୍କରେ ରଥଯାତ୍ରା କରାଯାଇଛି। ସେମାନେ ରଥଯାତ୍ରା ବ୍ୟବସାୟ ବୋଲି ଭାବୁଛି। ରଥଯାତ୍ରା ସରକାର ଏ ବିଗରେ ଆଦିନିଆ ରଥଯାତ୍ରା କରାଯାଇଛି। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା।

ଶିଳ୍ପେନା ଭାବରେ, ମୁଗା ମାନ୍ଦି ମଦିର, ପର୍ଣ୍ଣାର ଚର୍ଚ, ଗୋଖର ରେତ ଆଦି ଅଞ୍ଚଳ ମୁଗା ପରେ ମୁଣ୍ଡ ଶିଳ୍ପ ପାର୍କରେ ରଥଯାତ୍ରା ସରକାର କରାଯାଇଛି। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା।

ଆଜିଠାରୁ ବ୍ୟାଙ୍କ ଧର୍ମଘଟ

କୁଳନେଶ୍ୱର, ୩୦୧୯(ମୁଦ୍ରା)

ମହାପାତ୍ର କହିଛନ୍ତି, ଅଦିନରେ ରଥଯାତ୍ରା ନ କରିବା ଲାଗି ଗଜପତି ମହାରାଜ ବାରମ୍ବାର କରିଛନ୍ତି। ଏହା ସବୁ ଜଳନ ପଥରୁ ମନଙ୍କା ରଥଯାତ୍ରା କରାଯାଇଛି। ସେମାନେ ରଥଯାତ୍ରା ବ୍ୟବସାୟ ବୋଲି ଭାବୁଛି। ରଥଯାତ୍ରା କରିବ ଏବା କରିବାର ବ୍ୟବସାୟ ଏବା ମନଙ୍କାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା। ଏହା ଶ୍ରୀକରଣାଥ ସଂସ୍କରଣ ଏବା ମହାପୁରୁଷ ଅନୁଷ୍ଠାନ ହୋଇଥିଲା ରଥଯାତ୍ରା।

ଶଶି ଟିକ୍ଟା

କରିଛି। ଖଣି ମନ୍ଦିରାଳୀ ପରିବ ମୁଣ୍ଡିଲ କୁଳାର ନୂତନ ଲିଲିଧାରାଳ ପାଇଁ ରଥ ଅପ୍ରକାଶିତ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରା ନିଲାମ ନେବା ପରେ ମଧ୍ୟ କୁଳାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଖଣି ଯେହେତୁ ରଥ ଏବା ମନ୍ଦିରାଳୀରେ ରହିଛି ସେହି ଦୁଷ୍ଟିର ରଖି ନିଲାମ ପୂର୍ବରୁ ସମସ୍ତ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରାକୁ ୨୦୧୪ରେ ଦୁଷ୍ଟିର ରଖି ନିଲାମ କରାଯାଇଛି। କାହାମାର ଯୋଗାଣରେ ଯେପରି ବ୍ୟବସାୟ କରାଯାଇଛନ୍ତି ଏହାରେ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଖଣି ନିଲାମରେ ଆଶୀର୍ବାଦ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ସରକାରକ ନିକଟରୁ ୯ ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାରକ ନିକଟରୁ ୧୯୮ ମାର୍ଗରେ ବସିଥାଏ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ୪୮୮ ମାର୍ଗ ଏବା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷତି କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରା ନିଲାମ ନେବା ପରେ ମଧ୍ୟ କୁଳାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରା ନିଲାମ ନେବା ପରେ ମଧ୍ୟ କୁଳାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରା ନିଲାମ ନେବା ପରେ ମଧ୍ୟ କୁଳାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ଲିଲିଧାରା ନିଲାମ ନେବା ପରେ ମଧ୍ୟ କୁଳାର କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

ନନ୍ଦ ପୁଟ୍ଟ ତିମିର ମୃତ୍ୟୁ ଦେହ ଭଙ୍ଗାର



ବ୍ୟାଙ୍କରି, ୩୦୧୯(ଭ.ଏନ୍.ଏ.)

ଜାନ୍ମାନ ବ୍ୟାଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ବ୍ୟବସାୟ ଏବା ମନ୍ଦିରରେ ଦେଖିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ବ୍ୟବସାୟ ଏବା ମନ୍ଦିରରେ ଦେଖିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହାରେ ବ୍ୟବସାୟ ଏବା ମନ୍ଦିରରେ ଦେଖିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛନ୍ତି।

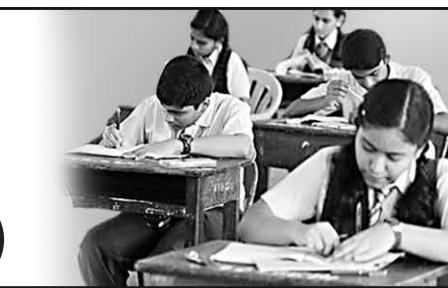


ଓଡ଼ିଶା ସରକାର

କୃଷି ପାଇଁ ଜଳସେବନ ସୁବିଧା ନିମନ୍ତେ ଆମ ପ୍ରିୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରତି

माटुक प्रश्नाशाथी

४



तृतीय भाषा हिन्दी/संस्कृत (THIRD LANGUAGE HINDI/SANSKRIT)

HINDI

Time: 2½ Hours Full Marks: 100

Candidates are required to write the answers in their own words as far as practicable.
(The figures in right hand margin indicate marks)

PART - I (OBJECTIVE)

1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) कोयल कैसे दूसरों को अपना कर लेती है?
 - (ख) ठाकुर साहब की किराया देने को बात सुनकर मुसाफिर ने क्या कहा?
 - (ग) संसारी अपनी इच्छा से क्या छोड़ देते हैं?
 - (घ) लेखिका के घर पर गिल्लू कितने साल रहा?
 - (ङ) ओडिशा के कहाँ-कहाँ मंदिर आज भी सिर उठाए खड़े हैं?
2. एक-एक शब्द में उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) भाषा द्वारा किसकी रक्षा होती है?
 - (ख) मुंशी जी को किससे अस्पताल पहुँचाया गया?
 - (ग) स्वामीजी ने किनको मानव-सेवा में लगाया?
 - (घ) लेखिका कभी-कभी गिल्लू को पकड़कर कहाँ रख देती थीं?
 - (ङ) खारबेल मगध से क्या वापस ले आए थे?
3. खाली जगहों को भरिए। [1×5=5]
 - (क) बच्चों का आकर्षण _____ के तत्वार्थण से बढ़कर है।
 - (ख) पँडित जी घर पहुँचे तो उनके _____ में बड़ा परिवर्तन हुआ।
 - (ग) _____ में भारत के लोग कोशिश करके भी पराजित हो गए थे।
 - (घ) कौन-जाने _____ के बहाने वही मुझे चौकाने ऊपर आ गया है।
 - (ङ) इन लोगों ने _____ दे दिए, मगर अन्यथा नहीं सहा।
4. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) झूट के बराबर क्या नहीं है?
 - (ख) विचार करके वचन कहने से क्या होता है?
 - (ग) यशोमती क्या देखकर हर्षित हो जाती है?
 - (घ) भाड़ में कुरता लाने की बात सुनकर माँ ने बेटे से क्या कहा?
 - (ङ) चांच में तिक्का लेकर जाने वाली चिड़िया किसे नीचा दिखाती है?
5. एक-एक शब्द में उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) राज शिवि के वाय दान दिया था?
 - (ख) लोग किसमें मदंध नहीं जाते हैं?
 - (ग) तेरे लिए एक तिनका बहुत है - यह किसने कहा?
 - (घ) किसके अल्लान से लोग निर्माण में लग जाते हैं?
 - (ङ) हमें किस पर नहीं सोचा चाहिए?
6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) विलोम शब्द लिखिए - जाड़ा।
 - (ख) समानार्थी शब्द लिखिए - गम।
 - (ग) वर्तनी शुद्ध कीजिए - बदोलत।
 - (घ) सही रूप क्या होगा - लड़का + ने।
 - (ङ) वाक्य शुद्ध कीजिए - पंजे ठंडा हो रहा था।
7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) बहुचरन रूप लिखिए - हवा।
 - (ख) एक वचन रूप लिखिए - सफलताएँ।
 - (ग) कौन-सा शब्द पुंजिंग है - मेला, माला, सुराही।
 - (घ) अव्यय छाँटिए - वह निकट पहुँच गया।
 - (ङ) लिंग बदलिए - पँडित।
8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) सही परसर्ग भरिए - गाड़ी _____ जगह की कमी थी।
 - (ख) उपरसर्ग छाँटिए - उत्कृष्ट।
 - (ग) प्रत्यय पहचानिए - बचपन
 - (घ) रेखांकित पद कीन-सा सर्वानाम है?
 - (ङ) जो इस लता के पास बैठता था।
9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) प्रथम प्रेरणार्थ क्रिया-रूप लिखिए - देखना।
 - (ख) सक्रमक क्रिया छाँटिए - जीना, चौकना, खाना।
 - (ग) सही क्रिया-पद लिखिए - नेता काम में जुट।
 - (घ) आकर्मक क्रिया छाँटिए : खर्चना, लेना, पड़ना।
 - (ङ) भूतकाल में बदलिए - रहीन पढ़ेगा।
10. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [1×5=5]
 - (क) 'कोयला' शब्द कौन-सी संज्ञा है?
 - (ख) विशेषण छाँटिए : इतिहास का अब दूसरा पत्रा देखें।
 - (ग) 'चढ़ना' का भाववाचक संज्ञा रूप क्या है?
 - (घ) संयुक्त क्रिया कौन-सी है? (मार डालना, मारना, मारकर)
 - (ङ) वे + ने का रूप क्या होगा?

PART - II (SUBJECTIVE)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर (प्रत्येक दो-तीन वाक्यों) में दीजिए : [5×2=10]
 - (i) पँडित चन्द्रधर पर उनके अफसर इसलिए खुश थे कि पँडित जी अपने काम में कोई कमी न होने देते थे। वे ठीक समय पर विद्यालय जाते थे, मन लागत कर पड़ते और देर करके आते थे।
 - (ii) विवेकानन्द का व्यक्तित्व कैसा था?
 - (iii) इ॒प॑ तीसरी शास्त्रीय में कर्मण के सैनिकों ने क्या किया?
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के भाव (प्रत्येक दो-तीन वाक्यों) में समझाएँ : [5×2=10]
 - (i) साँच बराबर तप नहीं झूठ बराबर पाप।
 - (ii) जोके हिरदै साँच है ताके हिरदै आप।।
 - (iii) अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्याध हो।
 - (iv) वही मनुष्य है कि मनुष्य के लिए मरे।।
 - (v) ऐंटना है तू है किसलिए इतना रहा।
 - (vi) एक तिनका है बहुत तेरे लिए ॥।।
3. निर्देशानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2×5=10]
 - (i) रेखांकित शब्द का लिंग बदलकर वाक्य को फिर से लिखिए :
 - (ii) दो छात्र आ रहे हैं।
 - (iii) रेखांकित शब्द का वचन बदलकर वाक्य को फिर से लिखिए :
 - (iv) बुढ़िया कहानी कहती है।
 - (v) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके लिखिए :
 - (vi) माता बन्धे को कहानी सुनाया।
 - (vii) 'साधु' शब्द को प्रयोग करके एक सार्थक वाक्य बनाइए।
 - (viii) लड़की ने काम समाप्त कर दिया। - इस वाक्य को भविष्यत काल में बदलकर लिखिए।
 - (ix) निम्नलिखित किन्हीं पाँच वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2×5=10]

- (ii) आम देशरे अनेक दृष्टिवृत्ति रही है।
- (iii) बापा भूति ज्ञान का लिखिए।
- (iv) ब्रह्मशत्रुघ्नि निकले वर्षे पर घटना होती है।
- (v) दोषाला निकल नहीं रहती है।
- (vi) गोपनी देवी की प्रिया है।
- (vii) ज्ञान देवी की प्रिया है।
- (viii) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (i) प्रायः सभी देवी-देवताओं को कोई न कोई वादाप्रिय है। सरस्वती वीणा प्रिय है। गजानन को मूरदग्रिय है। वीणा सभी देवी को प्रिय है। उसका 'व्यनिमाला' नाम सार्थक है। शंख के अभाव में देवी-देवताओं के हाथ शोभा नहीं पाते। कृष्ण का पंचजन्य शाख ख्यात था, कुछ देवियों के कर में धंटा भी है। भारत में युद्ध, गांधर्व भी था। रण में आउआर, शंख, पटह, मुरज आदि अनेक वादा बजाये जाते थे। अतिम संकर भी संगीत से परे न था। रावण की अंतिम क्रिया पर तूर्य आदि वादा बजाए जा रहे थे। दशरथ की अन्तिमिति पर सामाजिक वादा बजाये थे। राम से मिलने जा रहे थे भरत जब भरद्वाज के अश्रम में अंतिम ब्रह्मणे तो उनकी अभ्यर्थना में संगीत सभा दुई थी।

- (i) सरस्वती देवी किस वंत में प्रिय है?
- (ii) कौन-सा वादायंत्र सभी देवों को प्रिय है?
- (iii) भगवान कृष्ण का कौन-सा शाख ख्यात था?
- (iv) रावण की अंतिम क्रिया पर कौन-सा वादा बजाए जा रहे थे?
- (v) भरद्वाज के अश्रम में भरत को किस प्रकार अश्र्यर्था की गई थी?

उत्तर : PART - I (OBJECTIVE)

1. (क) कोयल अपनी मीठी बोली से दूसरों को अपना कर लेती है।
- (ख) ठाकुर साहब को किराया देने की बात सुनकर मुसाफिर ने कहा कि तुमने जिसे किराया दिया है उसके जाकर जगह माँगे।
- (ग) संसारी अपनी इच्छा से घर-बाहर छोड़ देते हैं।
- (घ) लेखिका के घर पर गिल्लू को साल रहा।
- (ङ) ओडिशा के भुवनेश्वर, पुरी, कोणार्क के मंदिर आज भी सिर उठाए खड़े हैं।
2. (क) हमारे जान और अनुभव की। (ख) डोली से (ग) अनुयायियों को (घ) लिफाफे में (ङ) कलिंग जिन
3. (क) न्यूटन, (ख) स्ट्रभार, (ग) १८५७ में
4. (क) झूट के बराबर पाप नहीं है।
- (ख) विचार करके वचन कहने से परिणाम हितकर होता है।
- (ग) यशोमती मोहन की रिसीभरी बातें मुनकर हर्षित हो जाती हैं।
- (घ) भाड़ में कुरता लाने की बात सुनकर माँ ने बेटे से कहा कि तु रोज घटात-बढ़ता रहता है, इसलिए एक नाप नहीं मिलती।
- (ङ) चोंच में तिनका लेकर जाने वाली चिड़िया उन्हास पवन को नीचा दिखाती है।
5. (क) मांस, (ख) तुच्छ वित में, (ग) समझ ने, (घ) नेह, (ङ) बीते दुखद जीवन का।
6. (क) गर्भी (ख) दुःख (ग) बदोलत
- (घ) लड़के ने (ङ) पंजे ठड़े हो रहे थे।
7. (क) हवाएँ (ख) सफलता (ग) मेला (घ) निकट (ङ) पंडिताइन
8. (क) में (ख) उत् (ग) पन (घ) संवंधवाचक (ङ) कर्ता
9. (क) दिखाना (ख) खाना (ग) गए (घ) पड़ना (ङ) रहीम ने पढ़ा।
10. (क) द्रव्यवाचक संज्ञा (ख) दूसरा (ग) चढ़ाई (घ) मार डालना (ङ) उठाने

उत्तर : PART - II (SUBJECTIVE)

- 1.(i) पँडित चन्द्रधर पर उनके अफसर इसलिए खुश थे कि पँडित जी अपने काम में कोई कमी न होने देते थे। वे ठीक समय पर विद्यालय जाते थे, मन लागत कर पड़ते और देर करके आते थे।
- (ii) विवेकानन्द देखने में सुन्दर, बड़े जानी, सरल, पंडित, विनयी और मिथिलीयी थे। वे प्रचंद प्रतिभाव के धनी थे।
- (iii) इ॒प॑ तीसरी शास्त्रीय में कर्मण के सैनिकों ने विशाल मगध सेना के दाँत खट्टे कर दिए। समाप्त अशोक का डटकर मुकावला किया। जाने दीं पर जमीन नहीं थी।
2. (i) संत कबीरदास कहते हैं सत्य हमेशा मान होता है। संसार में सत्य के समान पाप या बुरा काम नहीं है। जिसके हाथ दृष्टि है तो उसके निवास है अथर्वा जो सत्यवादी होता है, उसके निर्मल हाथ में भगवान निवास करते हैं।
- (ii) कवि मैथिलीशरण गुप्त का कहना है कि एक मित्र दूसरे मित्र की पीड़ियों को दूर नहीं करता, वह मित्र का धर्म नहीं निभाता है। यही संसार में सबसे बड़ा अनर्थ है। जो दूसरों के लिए मर मिटाता है, वही सच्च मनुष्य है।
- (iii) जब किसी तरह कवि क

